जुलाई – सितम्बर 2019
खंड X अंक 18 (III)

नाको समाचार

NACO

National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

Beti Bachao Beti Padhao

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Chalo Banaayein Swasth Bharat

AIDS Helpline 1097

अनुक्रमणिका

कार्यक्रम

डिपार्टमेंट ऑफ सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट एवं नेशनल एड्स कण्ट्रोल ऑर्गनाइज़ेशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 03

नाको की ब्राउन बैग श्रृंखला के तहत वार्तालाप..... 04

आर्म्ड फोर्सेज़ मेडिकल कॉलेज के स्नातकोत्तर मेडिकल अफसरों का नाको में वार्षिक प्रशिक्षण..... 05

भारत में एच.आई.वी. कैसकेड को सुधारने के लिए अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय सबूतों पर राष्ट्रीय परामर्श..... 05

नशा करने वाले लोगों के लिए सुविधाओं के एकीकृत पैकेज पर राष्ट्रीय परामर्श..... 06

नशा करने वाले लोगों के लिए सुविधाओं के एकीकृत पैकेज पर अंतर्विभागीय बैठक..... 07

एच.आई.वी. 2019 के आंकड़ों पर एक्सपर्ट परामर्श एवं क्षमता निर्माण कार्यशाला..... 08

प्रिज़न ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट – राजस्थान में जेल अधिकारियों का संवेदीकरण अधिवेशन..... 09

पश्चिम बंगाल में ई.एम.टी.सी.टी. सप्ताह का अवलोकन..... 10

एच.आई.वी. स्क्रीनिंग एवं पी.पी.टी.सी.टी के दिशा निर्देशों पर श्रमिकों का प्रशिक्षण..... 11

बस टिकट के पीछे 1097 टिकट मुद्रित..... 11

पुलिस विभाग में एच.आई.वी./एड्स पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण – राजस्थान एस.ए.सी.एस..... 12

उत्तराखंड एस.ए.सी.एस. द्वारा उत्तराखंड राज्य एड्स परिषद की बैठक का आयोजन..... 12

डिपार्टमेंट ऑफ होम अफेयर्स द्वारा 17 प्रशिक्षण अधिवेशन का आयोजन – गुजरात एस.ए.सी.एस..... 13

कर्नाटक एच.आई.वी. समुदाय के लिए क्षेत्रीय विवाह ब्यूरो का आयोजन..... 14

ग्रेटर मुंबई नगर निगम द्वारा एच.आई.वी. पॉजिटिव विधवाओं के लिए वित्तीय सहायता योजना..... 14

सी.आई.एस.एफ. कर्मियों का एच.आई.वी./एड्स पर संवेदीकरण – गोवा एस.ए.सी.एस..... 15

खेल एवं युवा मामलों के 195 एन.एस.एस. अफसरों का प्रशिक्षण – गुजरात एस.ए.सी.एस..... 16

समारोह

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह 2019 का आयोजन – तेलंगाना एस.ए.सी.एस..... 17

आर.आर.सी. गतिविधियों द्वारा 135 रक्तदान शिवरों का आयोजन – तमिल नाडु एस.ए.सी.एस..... 17

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह – यू.पी.एस.ए.सी.एस..... 19

एच.आई.वी./एड्स के लिए जागरूकता फैलाने के लिए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से बने संदेश – दिल्ली एस.ए.सी.एस..... 20

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन – मध्य प्रदेश एस.ए.सी.एस..... 21

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह मनाने के लिए राज्य स्तरीय अभियान आयोजित – हिमाचल प्रदेश एस.ए.सी.एस..... 22

कार्यक्रम

डिपार्टमेंट ऑफ सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट एवं नेशनल एड्स कण्ट्रोल ऑर्गनाइज़ेशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (डी.ओ.एस.जे.ई.) के बीच 26 अगस्त, 2019 को 18वां समझौता ज्ञापन केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. श्री हर्ष वर्धन जी की उपस्थिति में हस्ताक्षरित हुआ।

श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव और महानिदेशक, नाको और आर.एन.टी.सी.पी., एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू. और श्रीमती उपमा श्रीवास्तव, अतिरिक्त सचिव, डी.ओ.एस.जे.ई. के द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग को मनो–सामाजिक चिकित्सा समस्या के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए एक बहु–क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता होती है ताकि प्रभावित व्यक्तियों को मुख्यधारा के समाज में वापस लाया जा सके।

इस दृष्टि के अनुरूप, समझौता ज्ञापन के माध्यम से डी.ओ.एस.जे.ई. के तहत नेशनल सेंटर फॉर ड्रग अब्यूज़ प्रिवेंशन (NCDAP), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (NISD) और एडिक्ट रिहैबिलिटेशन सेंटर फॉर एडिक्ट्स (IRCAs) जैसे संस्थानों की सेवाओं का लाभ उठाया जाएगा ताकि एच.आई.वी. की रोकथाम और प्रभाव शमन के राष्ट्रीय लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके।

नाको और डी.ओ.एस.जे.ई. के लक्षित समूह काफी समान हैं और इन समूहों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और मुद्दों की प्रकृति भी समान है।

दोनों मंत्रालय ज़रुरतमंद के लिए सुविधाओं को मज़बूत करने के लिए समन्वय में काम करेंगे।

नाको और डी.ओ.एस.जे.ई. के बीच साझेदारी का लक्ष्य है:

1. एच.आई.वी. पर जागरूकता और रोकथाम संदेशों के साथ कमज़ोर और सबसे अधिक जोखिम वाली आबादी तक पहुंचना, शराब और मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम के लिए सहायता, एच.आई.वी. और एड्स से जुड़े सामाजिक कलंक और भेदभाव को कम करने के लिए प्रदान की गई सेवाओं के साथ जोड़ना।

2. मादक पदार्थों की लत के इलाज के लिए, एच.आई.वी. और एड्स की रोकथाम से संबंधित विषय से निपटने, कमज़ोर आबादी के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार करने के लिए विशेष रणनीति और कार्य योजना विकसित करने के लिए परस्पर समर्थन को प्राप्त करना।

उत्पल दास, नाको

नाको की ब्राउन बैग श्रृंखला के तहत वार्तालाप

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने क्षमता निर्माण पहल के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आरम्भ की हैं।

नाको की ब्राउन बैग श्रृंखला का निर्माण 2016 में नाको में कार्यक्रम प्रबंधकों, एच.आई.वी./एड्स और अनुसंधान में नए विकास पर विकास भागीदार और अन्य प्रमुख हितधारकों के ज्ञान और क्षमता का निर्माण करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

श्रृंखला के भाग के रूप में 18 अक्टूबर, 2019 को नाको नई दिल्ली में डॉ. मेलिसा न्येनदक, सीडीसी इंडिया द्वारा एच.आई.वी. सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के समर्थन में अनडीटेकटेबल = अनट्रांसमिटेबल (यू = यू) की भूमिका पर एक वार्ता आयोजित की गई थी।

इस वार्ता की अध्यक्षता संयुक्त सचिव, नाको, श्री आलोक सक्सेना ने की और इसमें नाको के वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक समाज और सामुदायिक प्रतिनिधियों के कार्यक्रम प्रबंधक शामिल हुए।

विनीता वर्मा, नाको
नेहा कपूर, नाको

आर्म्ड फोर्सेज़ मेडिकल कॉलेज के स्नातकोत्तर मेडिकल अफसरों का नाको में वार्षिक प्रशिक्षण

क्षमता निर्माण और क्रॉस लर्निंग के हिस्से के रूप में मेडिकल छात्रों द्वारा वार्षिक प्रशिक्षण और अभिविन्यास यात्रा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है जिससे ज्ञान का आदान–प्रदान हो सके और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, नाको और इसकी गतिविधियों के प्रति युवा छात्रों को संवेदनशील बनाया जा सके। इस पृष्ठभूमि के तहत, आर्म्ड फोर्सेज़ मेडिकल कॉलेज, पुणे के पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल अफसरों की वार्षिक प्रशिक्षण यात्रा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा नाको, नई दिल्ली में 12 सितम्बर, 2019 को आयोजित की गयी थी। ए.एफ.एम.सी. पुणे से प्रशिक्षु मेडिकल ऑफ़िसर्स और नाको के विभिन्न कार्यक्रम प्रभागों के नोडल ऑफ़िसर्स ने बैठक में भाग लिया। दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा आयोजित सुविधाओं के लिए अनावरण यात्रा के माध्यम से प्रशिक्षण यात्रा को सुविधाजनक बनाया गया था।

विनीता वर्मा, नाको
नेहा कपूर, नाको

भारत में एच.आई.वी. कैसकेड को सुधारने के लिए अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय सबूतों पर राष्ट्रीय परामर्श

राष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही अध्ययन/परियोजनाओं/पायलटों /नई खोजों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अंतराल की पहचान करना राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के लिए सदैव ही केंद्र का विषय रहा है ।

2020 के फास्ट ट्रैक लक्ष्यों और 2030 तक "एड्स को समाप्त करने" के एस.डी.जी. लक्ष्य के प्रकाश में, नई दिल्ली में 5 से 6 सितंबर, 2019 तक परियोजना के तहत जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के माध्यम से, यू.एस.ए.आई.डी. के

सहयोग से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा भारत में एच.आई.वी. कैसकेड को सुधारने के वैश्विक और स्थानीय साक्ष्य पर एक राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया गया था। नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं / वैज्ञानिकों, नाको, राज्य एड्स नियंत्रण संस्थानों, तकनीकी सहायता इकाइयों, वरिष्ठ विशेषज्ञों, नागरिक समाज, समुदाय और साथी प्रतिनिधियों के कार्यक्रम प्रबंधकों ने परामर्श में भाग लिया।

प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर वैश्विक और स्थानीय साक्ष्य जैसे 'भौतिक स्थान में सबसे कठिन आबादी तक पहुँचना', 'सेवाओं में आभासी आबादी को संलग्न करने के लिए रणनीतियाँ', 'नई रोकथाम रणनीतियाँ', 'स्वास्थ्य देखभाल वितरण के उपन्यास मॉडल', 'देखभाल में सुधार और अनुपालन के लिए रणनीतियाँ' और 'प्रोग्राम डेटा: नीति के लिए निहितार्थ और कार्यक्रम क्षेत्र में सुधार' का प्रदर्शन और विचार विमर्श किया गया।

विनीता वर्मा, नाको
नेहा कपूर, नाको

नशा करने वाले लोगों के लिए सुविधाओं के एकीकृत पैकेज पर राष्ट्रीय परामर्श

दिनांक 3 सितंबर, 2019 को नाको ने 18 जुलाई, 2019 को आयोजित उच्च–स्तरीय अंतर–विभागीय बैठक में की गई सिफारिशों के संचालन के लिए रणनीतियों के बारे में चर्चा करने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर एक बैठक आयोजित की।

श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, ने अपने वैधानिक संबोधन में कहा कि वर्तमान में सरकार के भीतर कई मंत्रालय और विभाग मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दे को संबोधित करते हैं और इसलिए नकल से बचने, हस्तक्षेपों के तालमेल को बढ़ाने और कार्यक्रमों के लागत को घटाने के लिए काम करने का यह एक अच्छा अवसर है। अपने वक्तव्य में उन्होंने एकीकृत संयुक्त कार्य योजना विकसित करने के लिए एक तकनीकी कार्य समिति का गठन करने की भी सलाह दी। श्री देवेश देवल, आई.ए.एस, निदेशक – तम्बाकू नियंत्रण और डी.डी.ए.पी, ने नशा मुक्ति कार्यक्रम के माध्यम से नशीली दवाओं के उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जाने वाली विभिन्न

सेवाओं के बारे में प्रकाश डाला और चल रहे हस्तक्षेप को मज़बूत करने के लिए अनेक तरीके सुझाए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के उप महानिदेशक, श्री एस.के.झा ने नशीली दवाओं के उपयोग पर निर्भर लोगों से निपटने के लिए एक बहु–क्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता को साझा किया और नशीली दवाओं के उपयोग के बारे में कलंक को हटाने पर ज़ोर दिया क्योंकि यह नशामुक्ति कार्यक्रम में आने वाली अड़चनों में प्रमुख कारण हैं। श्री खगेश गर्ग, निदेशक, डी.ओ.एस.जे.ई., सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने कहा कि मंत्रालय दवा की मांग में कमी और नुकसान में कमी को संयुक्त रूप से संबोधित करने के लिए नाको और अन्य लाइन विभागों के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

डॉ. शोभिनी राजन, सहायक महानिदेशक, नाको, ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ नशीली दवाओं के उपयोग और एच.आई.वी. और कानून प्रवर्तन संबंधी पहल के संदर्भ में सहयोग करने के लिए उपलब्ध संभावित अवसरों को रेखांकित किया।

आई.डी.यू टीम, टीआई डिवीजन, नाको

नशा करने वाले लोगों के लिए सुविधाओं के एकीकृत पैकेज पर अंतर्विभागीय बैठक

दिनांक 18 जुलाई, 2019 को नाको ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के साथ एक उच्चस्तरीय अंतर–विभागीय बैठक बुलाई जिसमें मादक द्रव्यों के सेवन और एच.आई.वी. के बारे में हाल ही में जारी भारत में अत्यधिक उपयोग के प्रतिमान और प्रतिमान पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण के जाँच – परिणाम पर चर्चा की गयी। अतिरिक्त सचिव, डी.ओ.एस.जे.ई., श्रीमती उपमा श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव, नाको, श्री आलोक सक्सेना, सहायक महानिदेशक, नाको, डॉ. शोभिनी राजन और अन्य विशेषज्ञों ने बैठक में भाग लिया।

श्रीमती उपमा श्रीवास्तव, अतिरिक्त सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (MSJE) ने अपने विशेष संबोधन में, नाको को अंतर–विभागीय बैठक बुलाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने हाल ही में भारत में पदार्थ के उपयोग पर किए गए सर्वेक्षण का निष्कर्ष निकाला है, इस आधार पर मज़बूत आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं, जिनके आधार पर सरकार अपनी नीतियों और रणनीतियों को लागू करेगी। उन्होंने नाको द्वारा समर्थित आई.डी.यू. के लिए लक्षित हस्तक्षेपों के बीच जागरूकता सृजन, संवर्धित लिंकेज और समन्वय से संबंधित गतिविधियों को शामिल करके सेवाओं के एक एकीकृत पैकेज, ड्रग डी–एडिक्शन प्रोग्राम (डी.डी.ए.पी) जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू.) द्वारा समर्थित है, और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा समर्थित व्यसनी (आई.आर.सी.ए) के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्र को विकसित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

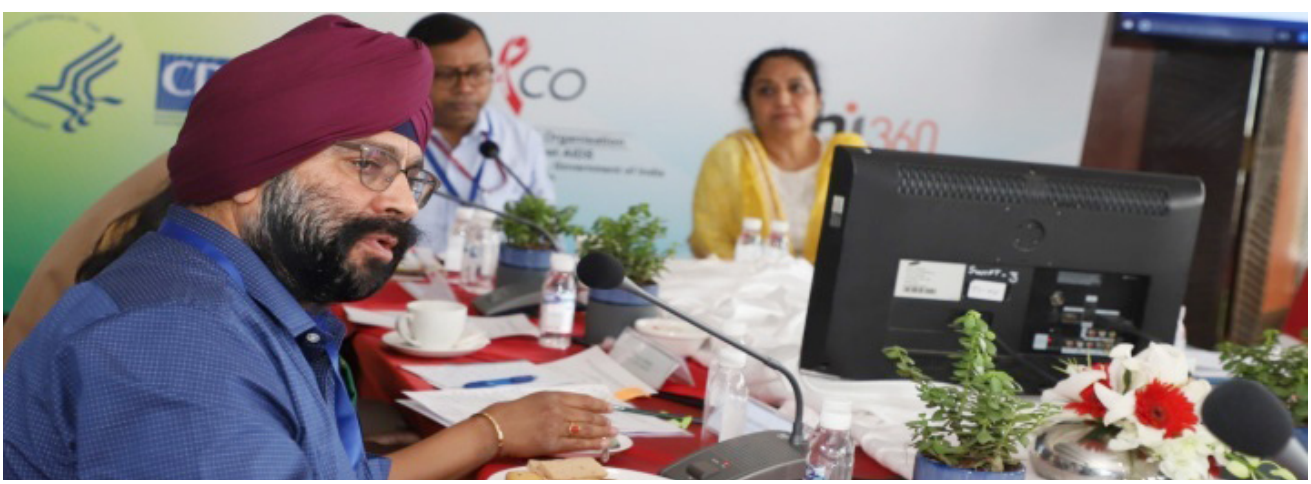

टीआई टीम, नाको

एच.आई.वी. 2019 के आंकड़ों पर एक्सपर्ट परामर्श एवं क्षमता निर्माण कार्यशाला

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार समय–समय पर भारत में एच.आई.वी. की स्थिति के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करती है। भारत में सबसे पहले एच.आई.वी. का आंकलन 1998 में किया गया था जबकि इसका अंतिम दौर 2017 में किया गया था। यह वर्तमान दौर, *"भारत एच.आई.वी. अनुमान 2019"* अपने आप में अनूठा है क्योंकि इसका उद्देश्य ज़िला स्तर तक एच.आई.वी. प्रसार, नए संक्रमण और एड्स से संबंधित मृत्यु दर के प्रमुख मापदंडों पर एच.आई.वी. की वर्तमान स्थिति प्रदान करना है।

एक राष्ट्रीय कार्य समूह (एन.डब्ल्यू.जी.), नाको और आई.सी.एम.आर.–एन.आई.एम.एस., नई दिल्ली के नेतृत्व में और विकास सहयोगियों (यू.एन.एड्स, यू.एस.ए.आई.डी., डब्ल्यू.एच.ओ. और सी.डी.सी.) और महामारी निगरानी के लिए अन्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संस्थान आंकलन का काम करते हैं। एन.डब्ल्यू.जी., निदेशक (आई.सी.एम.आर.–एन.आई.एम.एस.) की अध्यक्षता और रणनीतिक सूचना प्रभाग के प्रभाग मुख्य की सह–अध्यक्षता, नाको एच.आई.वी. अनुमानों से संबंधित सभी अभ्यासों के लिए जिम्मेदार है।

एन.डब्ल्यू.जी. द्वारा उत्पन्न परिणामों की गंभीर रूप से समीक्षा की जाती है और तकनीकी संसाधन समूह (टी.आर.जी.) द्वारा "निगरानी और अनुमान" पर अनुमोदित किया जाता है। वर्तमान में, विशेष सचिव और महानिदेशक (नाको और आर.एन.टी.सी.पी.) टी.आर.जी के अध्यक्ष हैं। एच.आई.वी. निगरानी, महामारी विज्ञान और अनुमानों पर ये सदस्य वरिष्ठ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं।

पिछले अभ्यासों के अनुसार "विशेषज्ञ परामर्श–सह–क्षमता निर्माण" कार्यशाला 27 से 30 अगस्त, 2019 के दौरान आयोजित की गई थी, जहां क्षेत्रीय संस्थानों से अफसर, राज्य एड्स नियंत्रण संस्थानों के साथ–साथ राष्ट्रीय कार्य समूह के सदस्यों को "भारत एच.आई.वी. अनुमान 2019" के अंतर्गत दौर की शुरुआत में नवीनतम स्पेक्ट्रम मॉडल पर प्रशिक्षित किया जाता है।

श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव और महानिदेशक (नाको और आर.एन.टी.सी.पी.), ने 27 अगस्त, 2019 को एच.आई.वी. आंकलन 2019 पर चार दिनों की विशेषज्ञ परामर्श–सह–क्षमता निर्माण कार्यशाला का उद्घाटन किया।

विशेषज्ञ परामर्श–सह–क्षमता निर्माण कार्यशाला एच.आई.वी. अनुमान 2019 मौलिक बैठकों में से एक है। जॉन स्टोवर (उपाध्यक्ष, एवेनियर हेल्थ), श्री तौफिक बकाली (वरिष्ठ सलाहकार, यू.एन.एड्स–आर.एस.टी), डॉ. डी.सी.एस. रेड्डी (पूर्व एच.ओ.डी, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, बीएचयू), प्रोफेसर अरविंद पांडे (पूर्व निदेशक, आई.सी.एम.आर.–एन.आई.एम.एस.), डॉ. शशि कांत (एच.ओ.डी, सी.सी.एम, एम्स–नई दिल्ली) और डॉ. युजवल राज, (सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ) कार्यशाला में प्रमुख विशेषज्ञ थे।

पहले तीन दिन के दौरान, प्रतिभागियों को स्पेक्ट्रम मॉडल के नवीनतम संस्करण का उपयोग करके एच.आई.वी. अनुमानों पर प्रशिक्षित किया गया। क्षमता निर्माण सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं का मिश्रण था और प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण मोड में एच.आई.वी. अनुमानों के लिए अपना मॉडल विकसित किया। यह कदम इस जटिल प्रक्रिया के बारे में ज्ञान को व्यापक बनाने में मदद करता है और इस प्रकार के जाँच – परिणाम के स्वामित्व में सुधार करता है। कार्यशाला में विभिन्न हितधारकों के क्षमता निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है जिसमें उन्हें कार्यप्रणाली के साथ–साथ इसके पीछे की अवधारणाओं को अद्यतन करना शामिल होगा। प्रशिक्षण डिजाइन पूर्ण, प्रदर्शनों और व्यावहारिक व क्रियाशील सत्र का मिश्रण था।

बैठक के चौथे दिन एच.आई.वी. अनुमानों के लिए तकनीकी पहलुओं पर विशेषज्ञों से सलाह लेने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक के मुख्य बिंदु:

1. मॉडल में ए.आर.टी. पर अस्तित्व मान्यताओं का स्थानीयकरण
2. एच.आई.वी. पॉज़िटिव गर्भवती महिलाओं को स्तनपान मान्यताओं की जानकारी देना
3. महामारी अवधि में ब्रिज – पॉपुलेशन की क्षमता को उप–जनसंख्या के रूप में तलाशना
4. मौजूदा साक्ष्यों के आधार पर एच.आर.जी. आकार के लिए एक कामकाजी अनुमान विकसित करना
5. एच.आई.वी. अनुमान 2017 के लिए CLHIV आकार का अनुमान और अनिश्चितता की सीमा निर्धारित करना

डॉ. अरविंद कुमार, नाको

प्रिज़न ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट – राजस्थान में जेल अधिकारियों का संवेदीकरण अधिवेशन

27 सितंबर, 2019 को राजस्थान जेल विभाग और राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से जेल अधिकारियों के लिए एक राज्य स्तरीय प्रशिक्षण और एक संवेदीकरण बैठक आयोजित की गई थी। प्रशिक्षण सत्र का आयोजन जेल प्रशिक्षण संस्थान, अजमेर में किया गया, जिसमें महानिरीक्षक, उप महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक, जेलर और कई जेलों के डॉक्टर शामिल हुए। सत्र के दौरान, आर.एस.ए.सी.एस. टीम ने राजस्थान जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया जिससे आई.ई.सी. और सी.ए.स.टी. गतिविधियों का सफल संचालन करने में मदद होगी।

सत्र की योजना और आयोजन श्री एन.आर.के. रेड्डी, जेल महानिदेशक (आई.पी.एस.) और राजस्थान एस.ए.सी.एस. के प्रयासों की वजह से किया जा सका। श्री सुनील कुमार बिश्नोई, श्री सीताराम यादव, डॉ. कुणाल सिंह और श्री हितेश शर्मा ने बैठक के दौरान विभिन्न घटकों के बारे में प्रतिनिधियों के साथ जानकारी साझा की। प्रशिक्षण सत्र में राजस्थान में वयस्कों, उच्च जोखिम जनसंख्या, एच.आई.वी./एड्स के प्रसारण के चार तरीकों और एच.आई.वी. और राष्ट्रीय टोल फ्री नंबर 1097 के लिए विंडो अवधि के प्रसार पर विस्तृत चर्चा शामिल थी।

पश्चिम बंगाल में ई.एम.टी.सी.टी. सप्ताह का अवलोकन – पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस.

"गर्भावस्था के दौरान सार्वभौमिक एच.आई.वी. और सिफलिस स्क्रीनिंग की आवश्यकता" के महत्व को प्रसारित करने के लिए और "2020 तक माता के बच्चे को होने वाले संक्रमण का उन्मूलन" के लिए हमारी प्रतिबद्धता नामक कार्यक्रम पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस. ने दिनांक 16 से 20, सितम्बर "ई.एम.टी.सी.टी. सप्ताह" के रूप में मनाया गया। गर्भावस्था के दौरान एच.आई.वी. और सिफलिस स्क्रीनिंग की सार्वभौमिक आवश्यकता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए यह सप्ताह मनाया गया। आई.ई.सी. वैन ने जिलों, उप–केंद्र, वी.एच.एन.डी. साइट, अस्पताल, बाज़ार स्थान और आबादी वाले क्षेत्रों में जागरूकता फैलाई। आई.ई.सी. वैन में एक आशा कार्यकर्ता के साथ जाने के लिए प्रावधान किया गया था, जो गर्भावस्था के दौरान एच.आई.वी. स्क्रीनिंग की आवश्यकता के बारे में समुदाय के साथ लगातार बातचीत करती गई।

सत्रों को रोचक बनाए रखने के लिए, गर्भवती महिलाओं के बीच अनौपचारिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय चैनल द्वारा कवर किया गया था।

एच.आई.वी. स्क्रीनिंग एवं पी.पी.टी.सी.टी. के दिशा निर्देशों पर श्रमिकों का प्रशिक्षण – छत्तीसगढ़ एस.ए.सी.एस.

2020 तक मां से बच्चे को एच.आई.वी. के संचरण को खत्म करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, छत्तीसगढ़ एस.ए.सी.एस. ने सरकार के प्रशिक्षण हॉल में लेबर रूम कर्मचारियों लिए एक दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण का आयोजन मेडिकल कॉलेज, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ में किया। इन नर्सों को एच.आई.वी. स्क्रीनिंग और पी.पी.टी.सी.टी. संबंधित दिशानिर्देशों पर निर्देशित किया गया ताकि गर्भवती महिलाओं के एच.आई.वी. परीक्षण और उन लोगों की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके जो लेबर में हैं। ट्रेनिंग के दौरान बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर और सुकमा ज़िले के कुल 182 लेबर रूम कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षण सत्रों के लिए तकनीकी सहायता यूनिसेफ द्वारा प्रदान की गई थी। 1097 और एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। प्रशिक्षुओं को एच.आई.वी. संक्रमित लोगों के प्रति कलंक और भेदभाव के व्यवहार के खिलाफ मौजूद सख्त प्रावधानों के बारे में भी निर्देशित किया गया था। इस प्रशिक्षण का एक प्रमुख उद्देश्य इन नर्सों को सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थानों में कलंक मुक्त वातावरण बनाने के मूल्य को समझाना था।

बस टिकट के पीछे 1097 टिकट मुद्रित – गुजरात एस.ए.सी.एस.

कर्मचारियों को लाभान्वित करने के लिए, गुजरात एस.ए.सी.एस. ने एक व्यवस्थित दृष्टिकोण के माध्यम से गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जी.एस.आर.टी.सी.) के साथ साझेदारी करके विभाग के प्रमुख निर्णय निर्माताओं को संवेदनशील बनाया। गुजरात के सभी ज़िलों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विभाग के वरिष्ठ कर्मचारियों के साथ वकालत की बैठक, ड्राइवरों, कंडक्टरों और कार्यशाला कर्मचारियों के लिए जागरूकता सत्र, आई.ई.सी. सामग्री के माध्यम से जागरूकता बढ़ाना कुछ ऐसी प्रमुख गतिविधियां हैं जो पिछले दो वर्षों में गुजरात एस.ए.सी.एस. द्वारा की गई हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से, जुलाई, 2019 तक कुल 724 ड्राइवर और कंडक्टरों को संवेदनशील बनाया गया। उपरोक्त गतिविधियों की कतार में गुजरात एस.आर.टी.सी. की भागीदारी को शामिल करने के लिए एक और बड़ी कार्यवाही की गई है।

राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाइन: 1097 को बस टिकट के पीछे मुद्रित किया गया है। गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम जी.एस.आर.टी.सी के संभागीय क्लीनिकों में सुविधाएं एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र शुरू करने की योजना बना रहा है। गतिविधियों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक तकनीकी सहायता गुजरात एस.ए.सी.एस. द्वारा प्रदान की गई है।

बस टिकट पर मुद्रित 1097 हेल्पलाइन नंबर

पुलिस विभाग में एच.आई.वी./एड्स पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण – राजस्थान एस.ए.सी.एस.

जयपुर, राजस्थान में 8 और 9 अगस्त को पुलिस विभाग के अधिकारियों के लिए एच.आई.वी./एड्स पर प्रशिक्षकों का दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और स्कूलों के 24 प्रशिक्षकों को राज्य भर में चुना गया और एच.आई.वी./एड्स से संबंधित मुद्दों पर प्रशिक्षित किया गया। एच.आई.वी. और एड्स की मूल बातें, कलंक और भेदभाव, यौनसंबंध, लिंग और लैगिंकता, कंडोम को बढ़ावा देने और एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 इत्यादि विषय सत्र के तहत चर्चा में लाए गए।

डॉ. आर.पी. डोरिया, परियोजना निदेशक – राजस्थान एस.ए.सी.एस, ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें विस्तार के साथ सभी विषयों पर चर्चा करने के लिए कहा ताकि आगे के प्रशिक्षण बड़े स्तर पर सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

उत्तराखंड एस.ए.सी.एस. द्वारा उत्तराखंड राज्य एड्स परिषद की बैठक का आयोजन

उत्तराखण्ड राज्य एड्स परिषद की बैठक 4 सितंबर, 2019 को राज्य सचिवालय, देहरादून में उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को नियमित रूप से परिषद की बैठक का संचालन करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने एड्स के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष ध्यान देने पर ज़ोर दिया और कहा कि राज्य में बीमारी के फैलने के कारणों पर अध्ययन फिर से किया जाना चाहिए ताकि टाइपोलॉजी की नई तस्वीर मिल सके। मुख्यमंत्री ने एच.आई.वी. से ग्रसित लोगों को ए.आर.टी. सेंटरों में जाने के

लिए उत्तराखंड रोडवेज़ की बसों में मुफ्त सवारी की घोषणा की और कहा कि इन लोगों को 1,000/– रुपये की मासिक पेंशन प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि एड्स नियंत्रण कार्यक्रम–उत्तराखंड में अनुबंध पर नियुक्त डॉक्टरों को राज्य में अन्य डॉक्टरों की तरह पारिश्रमिक प्रदान किया जाएगा और राज्य सरकार इसके लिए अतिरिक्त वित्तीय बोझ उठाने के लिए तैयार है। श्री हरक सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री, श्री नितेश झा, सचिव–स्वास्थ्य, श्री बी.के. संत, प्रभारी सचिव, श्री युगल किशोर पंत, अतिरिक्त सचिव और उत्तराखंड एस.ए.सी.एस. के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी परिषद की बैठक में उपस्थित थे।

डिपार्टमेंट ऑफ होम अफ़ेयर्स द्वारा 17 प्रशिक्षण अधिवेशन का आयोजन – गुजरात एस.ए.सी.एस.

नाको और आंतरिक सुरक्षा विभाग ने एच.आई.वी. और एड्स पर संयुक्त रूप से काम करने के लिए मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं। जी.एस.ए.सी.एस. गुजरात के पुलिस विभाग के साथ वर्दी में कार्मिकों के लिए एच.आई.वी. कार्यक्रम शुरू करने और उन्हें एच.आई.वी./एड्स से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूक करने की वकालत कर रहा है। प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) और पुलिस विभाग और पुलिस विभाग के प्रशिक्षण स्कूल के प्रशिक्षकों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा एक परिपत्र जारी किया गया है। गुजरात एस.ए.सी.एस. द्वारा दूसरी तिमाही के अंत तक कुल 17 सत्र आयोजित किए गए हैं, जिसके तहत अहमदाबाद, वडोदरा, पाटन, सूरत, कच्छ, जूनागढ़, राजकोट, बनासकांठा, महीसागर और जामनगर जिलों से लगभग 3,900 पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है।

कर्नाटक एच.आई.वी. समुदाय के लिए क्षेत्रीय विवाह ब्यूरो का आयोजन – कर्नाटक एस.ए.सी.एस.

एक क्षेत्रीय स्तर का मैरिज ब्यूरो कर्नाटक एस.ए.सी.एस. द्वारा बेंगलुरू, मैसूर, बेलगाम और कलबुर्गी ज़िलों में स्थापित किया गया है। इस गतिविधि का प्रमुख उद्देश्य एच.आई.वी. समुदाय के भीतर सहायता प्रदान करना है। जो लोग शादी के शुरुआती चरण में एच.आई.वी. के चलते अपने जीवनसाथी को खो चुके हैं, वे समुदाय के सदस्यों के बीच फिर से शादी कर सकते हैं। डी.ए.पी.सी.ओ., सी.एस.सी., ज़िला संजाल और जिला पर्यवेक्षकों ने इस ब्यूरो की ओर ज़िम्मेदारी ली है।

इस गतिविधि में कुल 148 पुरुषों और 128 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें से 24 जोड़े बनाए गए।

ग्रेटर मुंबई नगर निगम द्वारा एच.आई.वी. पॉज़िटिव विधवाओं के लिए वित्तीय सहायता योजना

ग्रेटर मुंबई के नगर निगम ने एच.आई.वी. पॉज़िटिव विधवाओं को सहारा देने के लिए 2.4 करोड़ की वित्तीय सहायता योजना शुरू की है। एच.आई.वी. बीमारी कमाने वाले सदस्य के नुकसान के कारण एच.आई.वी. पॉज़िटिव महिलाओं के नेतृत्व वाले घरों में अधिक प्रभाव छोड़ती है। यह योजना एच.आई.वी./एड्स से पीड़ित लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना के माध्यम से, 2000 से अधिक एच.आई.वी. पॉज़िटिव विधवाओं को सालाना फायदा मिलेगा। इस योजना के लाभार्थियों में मुंबई के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले एच.आई.वी. पॉज़िटिव विधवाओं को शामिल किया जाएगा जो मुंबई डिस्ट्रिक्ट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के ए.आर.टी. केंद्रों के तहत एंटी–रेट्रोवायरल उपचार के लिए पंजीकृत हैं। मृतक पति की मृत्यु का प्रमाण पत्र और उसकी एच.आई.वी. पॉज़िटिव स्थिति का प्रमाण अनिवार्य दस्तावेज हैं।

योजना का लाभ कैसे उठाया जाता है?

इस योजना के लिए, ए.आर.टी केंद्रों पर जाने वाली विधवाओं की देखभाल समन्वयक और परियोजना परिवार स्वयंसेवकों द्वारा की जा रही है। पात्र विधवाओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज ए.आर.टी. सलाहकारों द्वारा सत्यापित किये जाते हैं। ये आवेदन विधवाओं का 95% इलाज सुनिश्चित करते हैं और ए.आर.टी. अफसरों द्वारा जमा किये जाते हैं। मुख्यधारा विभाजन द्वारा आवेदनों की समीक्षा के बाद परियोजना निदेशक, एम.डी.ऐ.सी.एस. पैसा लाभार्थी के बैंक अकाउंट में सीधा ट्रांसफर करने की मंज़ूरी दे देते हैं।

इस योजना को सितंबर, 2019 से कार्यात्मक बनाया गया है और पहले महीने में 127 विधवाओं को वित्तीय लाभ प्राप्त हुआ है। मासिक वित्तीय सहायता से यह अपेक्षा की जाती है कि लाभार्थी के जीवन स्तर को बढ़ाते हुए उपचार और पोषण की स्थिति में सुधार करें।

सी.आई.एस.एफ. कर्मियों का एच.आई.वी./एड्स पर संवेदीकरण – गोवा एस.ए.सी.एस.

मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट के साथ गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने एच.आई.वी./एड्स से संबंधित मुद्दों पर सी.आई.एस.एफ., एम.पी.टी. और जी.एस.एल. कर्मियों के लिए एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। यह गतिविधि 23 अगस्त, 2019 को सी.आई.एस.एफ. रिक्रिएशन हॉल, एम.पी.टी. में आयोजित की गई थी, जिसमें कुल 55 कर्मियों को संवेदनशील बनाया गया। मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट के उप कमांडर ने सभी उपस्थित लोगों से सत्र के दौरान अधिक से अधिक जानकारी हासिल करने और अधिक से अधिक भ्रांतियों को दूर करने का आग्रह किया।

डिप्टी सी.एम.ओ, एम.पी.टी. व डॉ. मंजू खांडेपारकर, एच.आई.वी. के लिए नोडल अफ़सर, भी कार्यशाला के दौरान उपस्थित थे और उन्होंने एम.पी.टी. अस्पताल में एफ.आई.सी.टी.सी. केंद्र के बारे में बात की।

एच.आई.वी./एड्स पर एक लघु फिल्म दिखाई गई और इसके बाद यौन संचारित संक्रमणों पर चर्चा हुई।

खेल एवं युवा मामलों के 195 एन.एस.एस. अफसरों का प्रशिक्षण – गुजरात एस.ए.सी.एस.

राष्ट्रीय सामाजिक सेवा योजना (एन.एस.एस.) के सहयोग से, गुजरात राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी एन.एस.एस. के अफ़सरों के लिए वार्षिक प्रशिक्षण और संवेदीकरण सत्र आयोजित करता है। इन अफसरों के प्रशिक्षण का फायदा यह है कि जब ग्राम स्तर के संवेदीकरण सत्र आयोजित किए जाते हैं तो ये प्रशिक्षित अफसर संसाधन व्यक्तियों के रूप में भी काम करते हैं। इन सत्रों के दौरान एच.आई.वी./एड्स और स्वैच्छिक रक्तदान से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई है।

एन.एस.एस. अफसरों को प्रशिक्षित करने के लिए इस साल गुजरात एस.ए.सी.एस. के अधिकारियों द्वारा कुल पांच प्रशिक्षण आयोजित किए गए, ताकि वे अपने कर्मचारी सदस्यों, कॉलेज के छात्रों और ग्राम समुदाय के सदस्यों के साथ संवेदनशील तरीके से बातचीत कर सकें। इन सत्रों के दौरान एन.एस.एस. के 195 अफसरों को प्रशिक्षित किया गया।

समारोह

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह 2019 का आयोजन, तेलंगाना एस.ए.सी.एस.

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2019 का निरीक्षण करने के लिए, टी.एस.ए.सी.एस. ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ वूमेन, कोटि, हैदराबाद के छात्रों और टी.आई. एनजीओ के सदस्यों से कुल 350 प्रतिभागियों को शामिल कर एक रैली का आयोजन किया। छात्र ने IYD–2019 थीम पर तैयार बैनर दिखाए और तख्तियां दिखाईं।

एच.आई.वी. के बारे में शिक्षित हों, छात्रों ने एक मानव श्रृंखला भी बनाई और एच.आई.वी./एड्स से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

आर.आर.सी. गतिविधियों द्वारा 135 रक्तदान शिवरों का आयोजन– तमिल नाडु एस.ए.सी.एस.

टी.एन.एस.ए.सी.एस. कॉलेज स्तर पर रेड रिबन क्लब की गतिविधियों पर विशेष ज़ोर देता है। राज्य में 2,179 आर.आर.सी. हैं। प्रत्येक क्लब पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है जैसे कि स्वैच्छिक रक्तदान शिविर और एच.आई.वी./एड्स/एस.टी.आई./टी.बी. जागरूकता पर सत्र। अंतिम तिमाही में, इन आर.आर.सी. के माध्यम से, कुल 135 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए जिनमें 7,750 पुरुषों और 660 महिलाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इसके अलावा, एच.आई.वी./एड्स/एस.टी.आई. से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किए गए कई सत्रों में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या 24,208 थी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह का आयोजन – यू.पी.एस.ए.सी.एस.

यू.पी.एस.ए.सी.एस. ने एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस, 2019 मनाया। इस आयोजन का विषय 'एच.आई.वी. रोकथाम के लिए युवा भागीदारी – एच.आई.वी. के बारे में शिक्षित होना' रखा गया था। कार्यक्रम के दौरान कई गतिविधियाँ जैसे फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और नाटक का प्रदर्शन किया गया। बिना किसी भेदभाव और पर्यावरण को कलंक मुक्त बनाने के बारे में खुली चर्चा की गई और इसमें भाग लिया गया।

नाटक 'प्रेम ना हाट बिकाय' की झलकियां

छात्रों द्वारा बनाए गए पोस्टर

एच.आई.वी./एड्स के लिए जागरूकता फैलाने के लिए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से बने संदेश – दिल्ली एस.ए.सी.एस.

दिल्ली एस.ए.सी.एस. ने अलग अलग कॉलेजों में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। कॉलेज के छात्रों/आर.आर.सी. सदस्यों ने एच.आई.वी./एड्स और युवा संदेश लिखित शिल्प सामग्री बनाई। छात्रों द्वारा तैयार किए गए भौतिकवादी लेख अपशिष्ट सामग्री या बेकार सामग्री के उपयोग के साथ किए गए थे। छात्रों ने अपशिष्ट सामग्री का उपयोग किया जैसे कागज, मिट्टी, पुआल, लकड़ी प्लास्टिक, स्टील, टिन, ग्लास इत्यादि।

गतिविधि में भाग लेने के लिए एकमात्र शर्त यह थी कि एच.आई.वी. जागरूकता के लिए संदेश देना ज़रूरी था।

सभी प्रतिभागियों ने गतिविधि में भाग लेने का आनंद लिया और निर्धारित समय में कार्य पूरा करने के बाद अपने अनुभव साझा किए।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन – मध्य प्रदेश एस.ए.सी.एस.

12 अगस्त, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में कई एच.आई.वी.–एड्स जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया था। '*एच.आई.वी. के बारे में शिक्षित रहें*' को इन गतिविधियों का विषय रखा गया था।

इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों को किशोरों और युवाओं को एच.आई.वी./एड्स होने की सम्भावना के बारे में जागरूक करना और एच.आई.वी./एड्स के रोकथाम के उपायों के बारे में शिक्षित करना था। सत्र के दौरान एच.आई.वी. परामर्श, परीक्षण और मुफ्त ए.आर.टी. सेवा सुविधा के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

1097 का प्रमोशन भी किया गया। साथ ही कॉलेज के छात्रों को टोल फ्री हेल्पलाइन पर कॉल देने और अपने अनुभव साझा करने के लिए कहा गया।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह मनाने के लिए राज्य स्तरीय अभियान आयोजित – हिमाचल प्रदेश एस.ए.सी.एस.

एच.पी.एस.ए.सी.एस. ने पूरे राज्य में 12 से 31 अगस्त, 2019 तक अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर अभियान चलाया। इस अवसर पर, ज़िला कांगड़ा के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भवारना में 16 अगस्त, 2019 को एक राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया था। श्री विपिन सिंह परमार, हिमाचल प्रदेश के माननीय स्वास्थ्य मंत्री, इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। समारोह का प्रमुख उद्देश्य कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों में रेड रिबन क्लबों को मज़बूत करना था।

समारोह के दौरान, माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में रेड रिबन क्लबों के लिए लोगो ब्रांडिंग का अनावरण किया और छात्रों को अपने शैक्षिक संस्थानों में मौजूद रेड रिबन क्लब में शामिल होने और शिक्षण संस्थानों के प्रशासन के बीच रेड

रिबन क्लब आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए ऑडियो स्पॉट जारी किए।

इसके अलावा सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भवारना के छात्रों द्वारा रैली, चयनित रेड रिबन क्लबों, स्कूलों की पोस्टर प्रतियोगिताएं, सर्वश्रेष्ठ सेवा केंद्रों का सम्मान और एच.आई.वी. रोकथाम का सम्मेलन भी आयोजित किया गया।

अभियान के सफल आयोजन के लिए 12 से 31 अगस्त, 2019 तक अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर अभियान के दौरान, उच्च शिक्षा के जागरूकता विभाग, प्राथमिक शिक्षा, युवा सेवाएं और खेल, एन.एस.एस., एन.सी.सी., एच.पी. विश्वविद्यालय और अन्य लोगों ने समर्थन किया है।

Be a responsible youth

Get yourself tested for HIV

Go to the nearest Government Hospital for free Voluntary Counselling and Testing

संरक्षकः श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त सचिव, नाकोः श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

संपादकः डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको

संपादकीय पैनलः डॉ. आर. एस. गुप्ता (डी.डी.जी.), डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.), डॉ. शोभिनी राजन (ए.डी.जी.), डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, ज्योतिका (परामर्शदाता) नाको

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

6वां तल और 9वां तल चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली–110001। टेलीफोनः 011–43509930, फैक्सः 011–23731746, www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं प्रकाशनः द विजुअल हाउस, ईमेलः tvh@thevisualhouse.in

आपके सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है, कृपया feedback4naconewsletter@gmail.com पर अपने सुझाव लिखें

http://naco.gov.in/ www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in @NACOINDIA

मुफ्त और गुप्त एच.आई.वी. परामर्श और जांच के लिए नज़दीकी सरकारी अस्पताल में परामर्श एवं जांच केन्द्र (आईसीटीसी) से संपर्क करें

सरकारी अस्पतालों में एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी चिकित्सा केन्द्रों में एच.आई.वी का निःशुल्क इलाज उपलब्ध है।